BOCHASANWASI SHRI AKSHARPURUSHOTTAM
SWAMINARAYAN SANSTHA
PUBLIC TRUST REG. NO. A/2500/AMDDAVAD.
H.O.: SHRI AKSHARPURUSHOTTAM SWAMINARAYAN CENTER, SHAHIBAUG, AMDAVAD-380 004.

TEL.: (91-79) 2562 5476
FAX : (91-79) 2562 5012
WEBSITE : www.swaminarayan.org
Email : info@swaminarayan.org

प्रेस रिलिज

B.A.P.S.*शताब्दी महोत्सव*

१७, दिसंबर २००७

B.A.P.S.शताब्दी महोत्सव के पूर्णाहुति दिन पर चांदखेडा (अहमदाबाद) में विशाल जनसैलाब उमडा ।

B.A.P.S.का बेजोड स्मारक 'स्वामिनारायण अक्षरधाम' (दिल्ही) को "The Largest comprehensive Hindu Temple in the World.' का सम्मान देते गिनिज बुक ऑफ वर्ल्ड रेकोर्डस के प्रतिनिधि

३७ साल में ७१३ मंदिरो का निर्माण कर प्रमुखस्वामी महाराज ने विश्वकीर्तिमान स्थापित किया । गिनिज बुक में रेकोर्ड दर्ज ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था के शताब्दी महोत्सव का आज अंतिम दिन 'गुरुभक्ति दिन' के रूप में मनाया गया । 'दूसरों के सुख में अपना सुख है' इस जीवन भावना के साथ सकल विश्व में भारतीय संस्कृति का आह्लेक जगाते पू. प्रमुख स्वामी महाराज के ८७वें जन्मजयंती महोत्सव को मनाने के लिए देश-विदेश से लाखों भाविकजन पधारे थे । महोत्सव स्थल के रूप में चांदखेडा में भव्य स्वामिनारायण नगर की रचना की गई थी । विशाल सभामंडप एवं मंच की शोभा देखते ही बनती थी ।

कार्यक्रम के प्रारंभ में धून-प्रार्थना तथा संतों के मुख से निकले वैदिक मंत्रोच्चार ने वातावरण को दिव्य बना दिया । उसके बाद B.A.P.S. *की स्थापना तथा इतिहास को एक रोचक संवाद के माध्यम से प्रस्तुत किया गया । योगीजी महाराज की निश्रा में हुए सत्संग विकास की झलक पू. विवेकसागर स्वामी ने अपने प्रवचन के माध्यम से दी । गुरु शास्त्रीजी महाराज एवं योगीजी महाराज की स्मृति एक आकर्षक विडियो शॉ के माध्यम से की गई ।*

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में प्रमुख स्वामी महाराज की कृपा एवं प्रेरणा से हुए हृदय परिवर्तन की गाथा को अभिव्यक्त करते चुनिंदा व्यक्तियों का परिचय मिला । आदिवासी एवं हिंसक प्रवृत्ति के आदी रेश्मा पारधी आज एक उत्कृष्ट भक्त है । बहरीन के डॉ. फैजल जीरा की मनोभावना को भी विडियो के माध्यम से दर्शाया गया । तदोपरांत नैरोबी के मंत्री जोसफ मटुरिया को हुआ आध्यात्मिक लाभ भी उन्हीं के शब्दों में सुनने को मिला ।

उसके बाद पूज्य प्रमुखस्वामी महाराज एवं भक्तो के संबंध पर आधारित एक मनोहर विडियो शॉ की प्रस्तुती हुई ।

अब कार्यक्रम का एक विशिष्ट क्षण आया । गिनिस बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड का प्रमाणपत्र लेकर श्री माइकल विट्टी मंच पर पधारे । लाखों भक्तों की उपस्थिति में श्री विट्टी ने यह प्रमाणपत्र स्वामीश्री को अर्पण किया। जिसमें स्वामीश्री द्वारा विश्व को दी गई अद्वितीय सिद्धियों का उल्लेख था ।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में स्वामीश्री की उच्च आध्यात्मिक स्थिति का वर्णन करता कार्यक्रम प्रस्तुत हुआ। प्रमुख स्वामी महाराज के युगकार्य को 'गुणातीत गुरु' नामक विडियो शॉ के द्वारा प्रस्तुत किया गया ।

इसके अलावा पूर्व राष्ट्रपति श्री कलाम साहब के विडियो साक्षात्कार को दिखाया गया । जिसमें उनको स्वामीश्री के सांनिध्य में आध्यात्मिक लाभ की चर्चा थी ।

पू. डॉक्टर स्वामी ने अपने वक्तव्य में 'प्रमुखस्वामी महाराज की भगवान में श्रद्धा' इस विषय को पुष्ट किया । तत्पश्चात 'भगवान के अखंड धारक संत' विषय पर पू. महंत स्वामी ने प्रवचन किया । तत्पश्चात बाल-युवाओं द्वारा भव्य नृत्य 'गुरु वंदना' प्रस्तुत किया गया । सभी सद्गुरु संतों ने इस अवसर स्वामीश्री से प्रार्थना की ।

परमपूज्य प्रमुखस्वामी महाराज ने अपने आशीर्वचन में बताया 'भगवान स्वामिनारायण अनंत जीवों के कल्याण के लिए पृथ्वी पर पधारे थे । सत्संग द्वारा अनंत जीव मोक्षाधिकारी बनें यह उनका दिव्य संकल्प था । इस दिव्य संकल्प की पूर्ति हेतु गुणातीत संत को अपने साथ पृथ्वी पर लाए । गुणातीतानंद स्वामी ने भगवान स्वामिनारायण की सर्वोपरि निष्ठा का प्रवर्तन किया । उनके अनुगामी ब्रह्मस्वरूप शास्त्री महाराज एवं योगीजी महाराज ने इस भावना को जनसाधारण में दृढ करवाने हेतु कठिन परिश्रम किया । उनके संघर्ष और पुरुषार्थ से यह B.A.P.S. *संस्था आज सकल विश्व में समाजसेवा के कार्यो में लगी है। हम सभी संस्था, राष्ट्र एवं विश्व की सेवा कर सकें, ऐसी शक्ति प्राप्त हो यही भगवान के चरणों मे प्रार्थना...'*

स्वामीश्री के आशीर्वाद के बाद लाखों भक्तों ने एक साथ दीप प्रकट कर आरती की । उस समय का वातावरण ऐसा लग रहा था मानो पृथ्वी पर स्वर्ग उतर आया हो । अंत में एक अति भव्य B.A.P.S. *शताब्दी नृत्य से कार्यक्रम समाप्त हुआ ।*

.....